मॉडल स्कूल के शिक्षक आईआईएम से ट्रेंड होंगे

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद राज्य में मॉडल स्कूल शुरू करने की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। सरकार के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रथम चरण में 27 मॉडल स्कूल प्रारंभ करने की घोषणा की थी। अब तक हर जिले के जिला स्कूल व अन्य स्कूलों का चयन कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन स्कूलों के शिक्षक आईआईएम से ट्रेंड होंगे।

घोषित 27 मॉडल स्कूलों के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी चरण में 53 स्कूलों के लिए निविदा आमंत्रित की जानी है। मॉडल स्कूल के मामले की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री खुद कर रहे हैं, ताकि झारखंड के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। दूसरे चरण में 500 स्कूलों एवं तीसरे चरण में सभी पंचायतों में मॉडल स्कूलों की परिकल्पना को साकार करने का प्रयास होगा। झारखंड में शिक्षा के स्तर को करीब से समझने के कारण बच्चों द्वारा जल्दी ड्रॉपआउट की बात से मुख्यमंत्री अवगत हैं। अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा गरीब, किसान, वंचित, पिछड़ों के बच्चों को भी प्राप्त हो, इसके लिए उन्होंने पंचायत स्तर पर मॉडल स्कूल शुरू करने का निर्णय लिया। अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये और मॉडल स्कूल के लिए अलग से बजट का प्रावधान भी किया।

मेधा के अनुरूप बच्चों का होगा चयन: आदर्श विद्यालय में पूर्व प्राथमिक कक्षा से लेकर कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई होगी। प्रस्तावित स्कूलों में एक हजार से 1200 विद्यार्थियों के शिक्षण की व्यवस्था होगी। बच्चों का चयन उनकी मेधा के अनुरूप टेस्ट लेकर किया जाएगा। प्रारंभिक कक्षाओं के लिए स्कूल के निकट रहने वाले अभिभावकों के बच्चों को प्राथमिकता दी जा सकती है।

सीबीएसई से एफिलिएटेड होंगे स्कूल : राज्य के प्रस्तावित सभी 27 मॉडल स्कूलों को सीबीएसई से संबद्धता दिलाई जाएगी। झारखंड के प्रस्तावित अन्य 53 मॉडल स्कूलों को भी सीबीएसई से संबद्धता दिलाई जाएगी। पहले चरण में कुल 80 स्कूलों मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। भविष्य में योजना का विस्तार करते हुए राज्य के लाखों बच्चों को लाभान्वित करने का लक्ष्य है।

क्षमता विकास के साथ अंग्रेजी भी सीखेंगे बच्चे

मॉडल स्कूल में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थी पाठ्य पुस्तक पढ़ सकने की क्षमता प्राप्त कर सकें, इसके लिए 'आओ पढ़ें, खूब पढ़ें' अभियान शुरू करने की योजना है। पठन सामग्री के रूप में पाठ्य पुस्तकें, कहानियां, आलेख एवं शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराया जाएगा। बच्चों की अंग्रेजी बोलने की क्षमता विकसित करने के लिए इस क्षेत्र में काम कर रही संस्थाओं और एनसीईआरटी, एनईआईपी का सहयोग लिया जाएगा। स्कूलों में लैंग्वेज लैब की स्थापना के साथ स्पोकेन इंग्लिश कोर्स संचालित किया जाएगा।

Hindustan, 15.02.2021, Pg. 08